राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम- चित्रकला
पाठ 12 भारत में समकालीन कला आंदोलन के प्रणेता
कार्यपत्रक- 12

1. पाश्चात्य कला के शक्तिशाली प्रभाव के प्रति युवा चित्रकारों को लुभाने में कला आंदोलन किस प्रकार सफल हुआ?

2. बंगाल शैली के चित्रकारों के मध्य महाकाव्य तथा साहित्य से लिए गए विषय बहुत प्रचलित थे। इन चित्रकारों द्वारा अपने चित्रों में प्रयोग किये जाने वाले अन्य विषय क्या थे?

3. ऐसा क्यों कहा जाता है कि समाज की बदलती हुई भावनाओं को दर्शाने वाली कला विधा की आवश्यकता प्रतीत हुई?

4. 'भारत में यात्रा करते हुए अंग्रेज़ अपने साथ यूरोप से चित्रों के प्रिंट लेकर आये थे।' इस कथन के विषय में अपना मत प्रस्तुत करें।

5. क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि रवि वर्मा की कृतियों की ओलियोग्राफ प्रतिलिपियां बनाकर विस्तृत रूप से वितरित की गई थीं? स्पष्ट कीजिए।

6. ' इनके चित्र अधिकतर महाकाव्य अथवा धार्मिक विषय वस्तु पर आधारित होते हैं।' चित्रकार की पहचान करें तथा इन विषयों के अतिरिक्त उन्होंने और किन विषयों का प्रयोग किया है?

7. 'रावण तथा जटायु चित्र की रचना रवि वर्मा ने गतिशील संतुलन के सिद्धांत के आधार पर की।' इस कथन को अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

8. 'अबनींद्रनाथ ने भारतीय टैम्परा तक़नीकों को जापानी जल रंग से जोड़कर चित्रकला की एक नई शैली का विकास किया। इस नई तक़नीक की पहचान करें तथा उसके विषय में संक्षेप में उल्लेख करें।

9. अबनींद्रनाथ टैगोर द्वारा वौश तक़नीक के प्रयोग से बनाई गई किसी एक कृति का अपने शब्दों में वर्णन करें।

10. आप यह कैसे जानते हैं कि जामिनी राय ने बंगाल शैली अथा पाश्चात्य शैली दोनों को अस्वीकृत करके अपनी एक निजी शैली का विकास किया? प्रस्तुत करें।